विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 30 मई से 5 जून 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 49 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

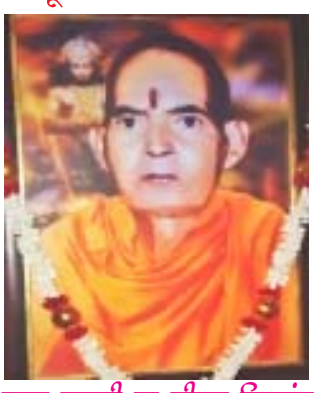

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

हर व्यक्ति को लगता है कि हर कोई उसका सम्मान करे. लेकिन सम्मान देने से ही मिलता है, यह अक्सर हम भूल जाते हैं. कई लोगों को सम्मान की चाहत ज्यादा होती है. लेकिन बारी जब उनकी आती है तो उसमें फेल हो जाते हैं. सम्मान देने वालों को सदैव सम्मान ही मिलता है. कहते हैं कि जैसा बोओगे, वैसा ही पाओगे. बबूल का पेड़ अगर लगाया है तो मीठे आम के फल नहीं मिल सकते हैं. इसलिए सदैव सम्मान करना सीखें.

हीटवेव के चलते डेढ़ लाख से ज्यादा मौतें

एक सप्ताह तक टेंपरेचर दो से तीन डिग्री ज्यादा रहने की संभावना

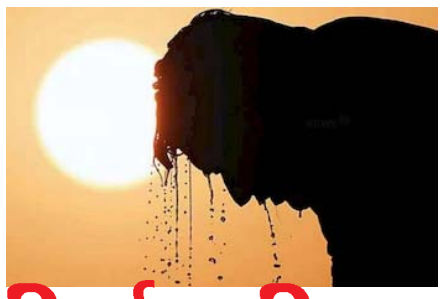

देश के तमाम राज्य गर्मी से झुलस रहे हैं. मौसम विभाग ने पूरे उत्तर भारत में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है. नॉर्थ वेस्ट और सेंट्रल इंडिया में अगले एक सप्ताह तक टेंपरेचर दो से तीन डिग्री ज्यादा रहने की संभावना है. उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ और पंजाब सबसे ज्यादा गर्मी की मार झेल रहे हैं.भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि उत्तर भारत में अभी अगले एक सप्ताह तक हीटवेव की स्थिति रहेगी. दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब,

विदर्भ स्वाभिमान

हरियाणा और पश्चिमी यूपी के लिए हीटवेव का रेड अलर्ट है.

हीटवेव का सीधा मतलब किसी इलाके में असामान्य रूप से बहुत ज्यादा तापमान. मौसम विभाग के मुताबिक जब किसी इलाके का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाता है तो यह हीटवेव की कैटेगरी में आता है. मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक मैदानी इलाकों में कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक और पहाड़ी इलाकों में कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक टेंपरेचर को हीटवेव की स्थिति माना जाता है.

पूर्व वैज्ञानिक डॉ. रणजीत सिंह से बातचीत में हीटवेव को और विस्तार से समझाते हैं. वह कहते हैं कि सर्दी और गर्मी के दिनों में हर क्षेत्र का सामान्य तापमान अलग-अलग होता है. सर्दी के दिनों में अगर किसी क्षेत्र का तापमान मिनिमम नॉर्मल टेंपरेचर से 5 डिग्री सेल्सियस कम हो जाता है तो इसे कोल्डवेव कहते हैं. ठीक इसी तरह गर्मी के दिनों में जब किसी इलाके का तापमान नॉर्मल टेंपरेचर से 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा हो जाता है तो हीटवेव कहते हैं.लेकिन एक चीज ध्यान रखना जरूरी है. हर इलाके का नॉर्मल टेंपरेचर अलग-अलग होता है. मान लीजिये किसी इलाके का नॉर्मल टेंपरेचर 38 डिग्री सेल्सियस है तो इसका मतलब यह नहीं है कि जब 2 पृ>

संपादकीय

कानून के साथ किस तरह खिलवाड़ किया जाता

पुणे में बिल्डर के बेटे द्वारा दो अभियंताओं की दुर्घटना में मौत की खबर ने समूचे महाराष्ट्र को हिला कर रख दिया है.आर्थिक रूप से संपन्न वर्गों द्वारा कानून के साथ किस तरह खिलवाड़ किया जाता है,चंद पैसों के लिए यंत्रणा किस तरह बिक जाती है इसका उदाहरण पुणे में हुई दुर्घटना ने समाज के समक्ष प्रस्तुत किया है.लेकिन इस तरह की स्थिति से आखिर हर तो हमारे अच्छे खासे कानून की होती है और इसी तरह की जोड़-तोड़ के कारण न जाने कितने आरोपी बच जाते हैं और आज अगर कानून का डर धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है तो उसके लिए कहीं ना कहीं हमारी हमारे भ्रष्ट मशीनरी काफी हद तक जिम्मेदार है.पुणे के पुलिस आयुक्तअमितेश कुमार द्वारा जिस तरह सेइस हाई प्रोफाइलपोर्श कार मामले की गहराई से जांच की जा रही है,डॉक्टरों द्वारा ?300000 लेकर आरोपी के ब्लड सैंपल को जिस तरह से बदलने का निंदनीय कार्य किया गया,इसकी जितनी निंदा की जाए कम है.पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद आरोपी का ब्लड सैंपल बदलने वाले दोनों ही डॉक्टरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.आज अगर कानून का डर कम होता जा रहा है तो निश्चित तौर पर इसके लिए हमारे भ्रष्ट व्यवस्था जिम्मेदार है.पैसों की ताकत ने इंसानियत को शर्मसार करने का काम किया है.

अमरावती के पुलिस आयुक्त के रूप मेंअमितेश कुमार द्वारा जिस तरह काशानदार कार्य किया गया था पुणे में हुई दुर्घटना के बाद अमितेश कुमार द्वारा जिस तरह से आरोपियों को दबोचने के साथ मजबूत सबूत इकट्ठा करने का कार्य किया जा रहा है वह सराहनीय है.नाबालिक बिगड़ैल बेटेके कारण जिन अभियंताओं की मौत हुईउनकी कमी को तो पूरा नहीं किया जा सकता है लेकिन इस मामले में अगर आरोपी को सच्ची सबक दी जाती है तो कम से कम भविष्य में

इस तरह करोड़पति बेटे के कारण किसी मां को तो कम से कम इस तरह के दर्द सेनहीं जूझना पड़ेगा.आज लोग खुले आम यह बोलने से नहीं कतराते की नियम कानून केवल गरीबों के लिए होता है पैसे वाले तो इसे जब चाहते हैं तब खरीद लेते हैं.लेकिन यह संतोष की बात है किपुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार द्वाराजिस तरह से मामले की जांच की जा रही है इस तरह के अधिकारी ही व्यवस्था मेंलोगों के लिए उम्मीद की किरण होते हैं.हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि जिस तरह सेजांच चल रही है उसके कारण इस मामले में निश्चित तौर पर न्यायहोगा.इसके साथ अब कानून मेंबदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है.कोई नाबालिक अगर बलात्कार और हत्या जैसे गंभीर अपराध को अंजाम देता है तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ अगर आरंभ में ही कठोर कार्रवाई की जाए तो वह गलत मार्ग पर जाने से बच जाएगा और समाज में भी शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को मदद मिलेगी.पुणे पुलिस के प्रयासों कोहम सलाम करते हैं.

आत्मीयता के देवदूत हैं डॉ. अरोरा दंपति

विदर्भ स्वाभिमान
मेरी तो खरी-खरी

आज स्वार्थ भरे जमाने मेंबहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो किसी की भावनाओं और किसी के प्रेम को कभी नहीं बोलते हैं.ऐसे ही लोगों में शामिल है अमरावती ही नहीं बल्कि विदर्भ के कैंसर सर्जन डॉ.राजेंद्र सिंह अरोरा तथा उनके जीवन संगिनी और जीवन में सदैव सामाजिक कामों में भी सक्रिय रहने वाली डॉक्टर नीता अरोरा.पैसों की अंधी दौड़ में रिश्तो को बिखरते तो आज इंसान रोज देखता है लेकिन इस तरह केसंबंधों कोअत्यधिक महत्व देने वालेनजरे बहुत कम दिखाई देते हैं.अमरावती ही नहीं तो महाराष्ट्र के लिए बेहतरीन शिक्षिका और दो-दो राष्ट्रपतियों से सम्मानित गौरी अय्यर मैडम तथा गणेश अयरके मामले में जिस तरह के अपनेपन का परिचय उन्होंने दिया आज के दौर में निश्चित ही इस तरह का सहयोग न केवल मुश्किल बल्कि दुर्लभ है.विदर्भ स्वाभिमान ने करीब से इस चीज को अनुभव किया.डॉ अरोरा दंपतिनिश्चित रूप से आज के दौर मेंमानवता के देवदूतकहे जा सकते हैं जिन्होंनेजिस तरह से पड़ोसी का धर्म निभायाआज अगर इस तरह सभी बेहतरीन तरीके से पड़ोसी का धर्म निभाएं तो निश्चित तौर पर कोई दुख में रहे ही नहीं सकता.नीता मैडम तो स्वयं मरीज के पास बैठकर उन्हें हिम्मत देने का काम करती रही.उनकी अच्छाइयां बताते हुएअय्यर दंपति की आंखों मेंखुशी के आंसू आ जाते हैं.मानवता की सेवा के लिए धन-दौलत ही जरूरी नहीं होती है. अगर आपका भाव सेवा और समर्पण का है तो निश्चित तौर पर आप संतुष्ट रहते हैं. आज पैसे कमाने की अंधी दौड़ ने सभी को अंधा कर दिया है. रिश्तों को निभाने वाले लोग कम हैं लेकिन यह संतोष का विषय है कि आज भी कई ऐसे लोग हैं, जो रिश्तों को निभाने के लिए सुख्यात होते हैं. पड़ोसी धर्म निभाने के मामले में शहर के सुख्यात कैंसर सर्जन डॉ. राजेन्द्रसिंह अरोरा तथा उनकी जीवन संगिनी डॉ.सौ. नीता अरोरा की जितनी सराहना की जाए कम है. वे दोनों जितने बेहतरीन डाक्टर हैं, उससे भी अधिक मानवता सेवी और संबंधों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. उनकी कामयाबी इसी तरह बढ़ती रहे और दोनों की सभी मनोकामनाएं रब पूरा करें, विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की ओर से यही कामना कर सकते हैं. कोई डाक्टर दम्पति किसी मरीज के लिए इतना कर सकता है, यह न केवल आदर्श है, बल्कि अन्यों के लिए प्रेरणादायी भी है.

आज के दौर में जहां रुलाने वालों की संख्या बढ़ रही है वहीं इस तरह के रिश्ते किसी देवदूत से काम नहीं है.हमारी मंगल में हार्दिक शुभकामनाएं.आपकी सभी चाहते और मनोकामनाएं रब पूरा करें,हम यही कामना करते हैं.

भारत में 30 हजार हीटवेव की मौत

विदर्भ स्वाभिमान

टेंपरेचर 5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 43 होगा, तब हीटवेव मानेंगे. टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाते ही हीटवेव की कैटेगरी में आ जाता है.

क्यों बनती है हीटवेव की स्थिति?

तो हीटवेव की कंडीशन बनती क्यों है? क्ष्ग्न के मुताबिक जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव वाला क्षेत्र मजबूत होता है और कई दिनों तक एक ही क्षेत्र में हवा का हाई प्रेशर बहुत ज्यादा रहता है तो हीटवेव की कंडीशन बनती है. क्ष्ग्न के साइंटिस्ट डॉ. नरेश कुमार ण्ट्ट्ठ्ठ.दक्ष्ठ्ठ्18.ड्दृ.थ्र से कहते हैं कि जब जमीन से 3-5 किलोमीटर ऊपर वायुमंडल में हवा का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है, तो सूरज की किरणें सीधे धरती तक आ जाती हैं. दूसरा- हाई प्रेशर उस जोन अथवा क्षेत्र में बादल भी नहीं बनने देता है. इससे टेंपरेचर बढ़ता है और हीटवेव की कंडीशन बन जाती है.

किस महीने में सबसे ज्यादा खतरा? भारत में अमूमन मार्च से लेकर जून तक हीटवेव की स्थिति बनती है. किसी-किसी इलाके में असामान्य परिस्थिति में जुलाई में भी हिटवेव की कंडीशन बन सकती है. आईएमडी के मुताबिक मई ऐसा महीना है जब हीटवेव पीक पर होता है. पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ऐसे राज्य हैं, जहां हीटवेव की ज्यादा संभावना रहती है.

कब गंभीर बन जाता है हीटवेव?

भारत में हीटवेव को तीन कैटेगरी में बांटा गया है. येलो, ऑरेंज और सबसे आखिर में रेड अलर्ट. किसी क्षेत्र का तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री ज्यादा है तो हीटवेव की कैटेगरी में आता है.6.40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान अति गंभीर हीटवेव माना जाता है और यह रेड अलर्ट की कैटेगरी में आता है. डॉ. नरेश कुमार कहते हैं अति गंभीर हीटवेव के दौरान दिन के साथ-साथ रात का सामान्य तामपान भी बढ़ जाता है.

किन लोगों को ज्यादा समस्या?

आईएमडी के मुताबिक हीटवेव की वजह से बुजुर्गों, बच्चों और ऐसे लोग जिन्हें पहले से कोई बीमारी है, उन्हें ज्यादा दिक्कतें हो सकती हैं. हीटवेव के दिनों में हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है. इसके अलावा डिहाइड्रेशन समेत दूसरी दिक्कतें भी हो सकती हैं. के मुताबिक हीटवेव के दौरान धूप में निकलने से बचना चाहिए. भरपूर मात्रा में पानी पीएं. हल्के रंग के कपड़े पहनें.

ऑस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट बताती है कि हीटवेव किस तरीके से भारत में जानलेवा बन गया है. यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक 1990 के बाद से 30 सालों में हीटवेव के चलते दुनिया भर में डेढ़ लाख से ज्यादा मौतें हुईं. इनमें से करीब 20ऽ मौतें भारत में हुई हैं. यानी करीब 30 हजार के आसपास लोग हीटवेव के चलते मौत के मुंह में समा गए.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

कमाल का है यह पौधा, दिमाग को बना देता है कंप्यूटर की तरह तेज, बीपी-सांस समेत कई बीमारियों के लिए भी औषधि

हल्द्वानी प्राकृतिक औषधियों के प्रयोग से कई तरह के असाध्य रोगों को साधने में आयुर्वेद ने सफलता पाई है. इन्हीं प्राकृतिक औषधियों में से एक औषधि है ब्रह्मी. ब्रह्मी को ब्रेन बूस्टर के नाम से भी जाना जाता है. ब्रह्मी का उपयोग प्राचीनकाल से आयुर्वेद में किया जा रहा है. जड़ी बूटी के रूप में सबसे ज्यादा ब्रह्मी के फूल का इस्तेमाल किया जाता है. यह मस्तिष्क के लिए बेहद उपयोगी है. इसलिए इसे ब्रेन बूस्टर भी कहा जाता है, लेकिन ब्रह्मी में कई और भी महत्वपूर्ण गुण होते हैं, जिनसे शरीर की अनेक समस्याओं का इलाज संभव है.

ब्रह्मी का सेवन करने से तनाव दूर होता है, ब्रह्मी खून को पतला करने में भी मदद करता है. जिससे नसों में रक्त का प्रवाह आसानी से हो सकता है. इसके साथ ही इससे सांस संबधी बीमारियां भी ठीक होती हैं. मेमोरी बूस्टर ब्रह्मी में दिमाग को शांत करने वाले गुण होते हैं, जो याददाश्त के एक हिस्से को बेहतर बनाता है. इतना ही नहीं ये ध्यान के एक हिस्से को बेहतर बनाता है. इसके अलावा ये ध्यान और एकाग्रता को बूस्ट करता है, जिससे याददाश्त तेज होती है और व्यक्ति का दिमाग तेज होता है.

ब्लड प्रेशर होता है कम

ब्रह्मी की पत्तियां ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए ली जाती हैं. इस पौधे की पत्तियां लो और हाई दोनों ही प्रकार से ब्लड प्रेशर को कम करने में फायदा पहुंचाती हैं.

श्वास संबंधित समस्याओं में गुणकारी

जिन्हें अस्थमा या ब्रेंकाइटिस जैसी श्वास संबंधित बीमारियां हैं, उनके लिए ब्रह्मी का अर्क या जूस बेहद लाभकारी होता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एडेप्टोजेनिक गुण होने के कारण फेफड़े मजबूत होते हैं. इससे श्वास नली की जलन और सूजन की समस्या भी दूर होती है. ब्रह्मी तनाव और चिंता को कम करने का काम करता है. कोर्टिसोल तनाव से जुड़ा एक हार्मोन है. ये शरीर में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाकर स्ट्रेसबस्टर का काम करता है. ब्रह्मी की पत्तियों चबाकर इसको कम किया जा सकता है.

इम्युनिटी को बढ़ाता है ब्रह्मी-ब्रह्मी का सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ती है. ब्रह्मी शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करता है. इसमें कई सारे पोषक तत्व होते हैं. जो बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं. इससे ह्रदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से बचा सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43001

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विना एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

पंखिडा ओ पंखिडा भजन पर तो उपस्थित सभी श्रध्दालू भावविभोर

एकादशी पर्व भक्तिभाव से मनाया गया,संगीतमय सुंदरकांड

भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण दुर्गा मंदिर में कार्यक्रम

अमरावती-यहां के सतीधाम कॉम्प्लेक्स स्थित भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण दुर्गा माता मंदिर में हर माह पड़नेवाली दोनो एकादशी को एकादशी पर्व के रूप मनाया जाता है. इसी श्रृंखला में रविवार को एकादशी पर्व भक्तिभाव से मनाया गया.

उससे पूर्व संध्या 18 मई शनिवार को चार धाम महिला भजन मंडल द्वारा शाम 7.30 बजे से सुंदरकांड, भगवान श्रीगणेश वंदना आओ गजानन आओ रिध्दी सिध्दी संग लावो श्रीगणेशा हमारे सुंदरकांड में पधारो गजानन के साथ प्रस्तुत किया गया. पिंकी मुलानी द्वारा पंखिडा ओ पंखिडा भजन पर तो उपस्थित सभी श्रध्दालू भाव विभोर होकर भक्तिभाव में झूमने लगे.

इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पं. अशोक जोशी महाराज द्वारा श्रीजी व माता राणी का औलोकिक किया गया श्रृंगार सबको आकर्षित कर रहा था. मंदिर परिसर सुशोभित लाईटिंग डेकोरेशन से जगमगा रहा था. मंदिर द्वारा हो रहे हर आयोजनों में असंख्य श्रध्दालुओं की भारी भीड़ सदा ही बनी रहती है. इस अवसर पर सर्वश्री जवाहर व्यास,एड. सत्यनारायण लद्ढा, विजय निचत, विजय अनासने,संदीप मेहता, राजेश शर्मा, जानराव इंगले, मोहन साहू, पिकी मुलानी, आशा दवे, किरण लद्ढा, दुर्गा छांगाणी, कनरु गुप्ता, नविता गुप्ता, दुर्गा साहू,नमी गुप्ता,भगवती आठिया, शालिनी आकोलखेडकर, कल्पना राठी, सुनीता जयस्वाल, अरूणा राठी, शीला ढोके, अर्चना गावंडे, उषा बुच, योगीता इंगले, माधुरी चौधरी, जया सरोदे, सुनीता देशमुख, पद्मा खुरडे, अनिता ठाकरे, संगीता काले, शारदा इंगोले, सरला यादव, शोभा टिकेकर, रेखा सोमनानी, नलु शेकार, निला खांडेकर, लता भटकर तथा असंख्य भक्तगण उपस्थित थे.

तब रक्षा करता है जब हम उसे मानते हैं

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, बेहतर करेंगे तो ही जीवन में सदैव बेहतर होगा, संस्कार है महत्वपूर्ण

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

अच्छाई से अच्छाई बढ़ती

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक जिस तरह काले कमरे में जाने के बाद काला लगना तय है, उसी तरह जीवन में बुराई करने पर बुराई ही बढ़ती है. लेकिन जब हम अच्छाई का साथ देते हैं तो निश्चित तौर पर अच्छाई बढ़ती है. प्रेम, सम्मान और अच्छी सोच ही जीवन में आपको लोगों के दिलों में स्थान देती है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमारे जीवन में कई बदलाव आते हैं और अच्छाई स्वयं को बढ़ाने का काम करती है. लेकिन जब बुराई सोचते हैं तो वह बढ़ती है और सदैव बर्बादी का कारण बन जाती है. इसलिए अच्छा सोचें और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करें.

हर घर में होना चाहिए प्रभु का सुमिरन

कहते हैं कि हर धर्म में भाव तिथे देव वाली बात कही गई है. हमारा जैसा भाव होता है, हमें देव भी वैसे ही दिखाई देते हैं. लेकिन अगर शुद्ध भाव नहीं होगा तो देव का दर्शन नहीं हो सकता है. देव का मतलब अच्छाईयां ही हैं. देव और दानव दोनों ही हमारे मन के भीतर रहते हैं. जब अच्छा सोच हो तो समझना कि मन में देव हैं और जब मन में लगातार बुरा विचार आए तो यह सोच लेना कि शायद कहीं हमारी श्रद्धा में गलती है. इतना तय है कि जो बोया है, काटना वही पड़ेगा. श्रीरामचरित मानस में तो स्पष्ट कहा गया है कि कर्म प्रधान विश्व करि राखा, जो जस करही तो तस फल चाखा. यानीकि तुमने किसी के साथ छल किया है तो कुछ समय के लिए खुश हो सकते हो, यह सोचकर कि संबंधित ने तुम्हारे ऊपर आंख बंद कर भरोसा किया. लेकिन इतना पक्का है कि किसी से छल करते हुए अगर तुमने बहुत कुछ कमाया है तो यह निश्चित है कि उसे जाने के लिए अधिक समय नहीं लगेगा. आते समय इस तरह की दौलत खुशी देती है लेकिन जाते समय कई गुना अधिक तकलीफ देकर जाती है. इसलिए कोशिश यह करना कि किसी को साथ नहीं दे सकते हो तो किसी के विश्वास को कभी नहीं तोड़ना. नियति एक समय तुम्हे उसी गड्ढे में ले जाती है, जो गढ्ढा कभी तुमने दूसरों के लिए खोदा है. भारत ही नहीं तो शिव पुराण कथा के मामले में समूचे विश्व में तेजी से लोकप्रिय होने वाले पूज्य पंडित प्रदीप मिश्रा का कहना रहता है कि संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व रहता है. हर परिवार में माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को धर्म की महत्ता बताएं, अपनी संस्कृति का महत्व बताएं, मम्मी-पापा की बजाय माता-पिता शब्द का उपयोग करना उन्हें सिखाएं, इससे निश्चित ही संस्कृति का जतन होगा.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

विपक्ष संविधान की मर्यादा को तार-तार कर रहा

पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष वोट बैंक की राजनीति कर रही,24 साल से गालियां खा-खा कर गाली प्रूफ बन गया

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव में आखिरी चरण की वोटिंग से पहले पीएम मोदी ने इंटरव्यू दिया है. न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष वोट बैंक की राजनीति कर रही है. 4 जून को उनकी विदाई तय है. वहीं चुनाव में आरक्षण पर हो रही बयानबाजी को लेकर उन्होंने कहा कि जनता को आरक्षण को लेकर सचेत करना जरूरी है. विपक्ष संविधान की मर्यादा को तार-तार कर रहा है. विपक्ष की सरकारों ने ओबीसी आरक्षण को छीना है. पीएम मोदी ने अरविंद केजरीवाल के जेल से लेकर कश्मीर में रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से जुड़े हर सवाल का बेबाकी से जवाब दिया है. तो चलिए जानते हैं पीएम मोदी ने इंटरव्यू में किस मुद्दे पर क्या कहा?

सवालः आरक्षण इतना बड़ा मुद्दा कैसे बन गया?

मुझे मेरे और अति पिछड़े भाई बहनों को सचेत करना है, क्योंकि इनको अंधेरे में रख कर के ये लोग लूट चला रहे हैं. चुनाव एक ऐसा समय है, जो सबसे बड़ा संकट आ रहा है, उससे देशवासियों को मुझे जागरूक करना चाहिए. इसलिए मैं आग्रहपूर्वक जनता जनार्दन को समझा रहा हूं. दो चीजें हो रही हैं- एक भारत के संविधान की मूल भावना का हनन हो रहा है. संविधान की मर्यादाओं का तार-तार कर दिया जा रहा है. और वो भी अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए. मुझे याद है मैंने सदन में कभी कांग्रेस के नेताओं को सुना तो वे कहते थे कि घ्च्छ का आप प्राइवेटाइजेशन कर रहे हैं तो आप आरक्षण मिटा देना चाहते हैं. ये सच्चाई नहीं है. ये गपबाजी कर रहे थे. जो लोग अपने आप को दलितों के हितैशी कहते हैं, आदिवासियों के हितैशी कहते हैं, वे हकीकत में उनके घोर दुश्मन हैं. इन्होंने रातों रात शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक संस्थान बना दिया और उसमें आरक्षण खत्म कर दिया दिल्ली में जो जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय है, उसमें सारे आरक्षण खत्म हो गए. बाद में उभर कर आया कि करीब-करीब 10 हजार ऐसे संस्थान हैं, जिसको इस प्रकार से आरक्षण के च्क,च्द्र, ग्रएक के अधिकार को पिछले दरवाजे से छीन लिया गया है. संविधान की पीठ में छुरा घोंपा गया है.

आप आरक्षण को खत्म कर देंगे?

उन्होंने ये पाप किया है. मैं उसके खिलाफ बोल रहा हूं और इसीलिए उन्हें झूठ बोलने के लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है.

बंगाल में ओबीसी सर्टिफिकेट पर हाईकोर्ट के फैसले पर पीएम मोदी ने क्या कहा?

2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी किए गए सभी ग्रएक प्रमाण पत्रों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले पर पीएम मोदी ने कहा, उनके पास एक कार्यप्रणाली है. सबसे पहले, उन्होंने आंध्र प्रदेश में कानून बनाकर इसे अल्पसंख्यकों को देने का पाप शुरू किया, वे हार गए. सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता है. इसलिए उन्होंने चालाकी से पिछले दरवाजे से खेल शुरू किया और इन लोगों ने रातों-रात मुस्लिमों की सभी जातियों को ओबीसी बना दिया. ओबीसी से उनके अधिकार छीन लिए, डाका डाल दिया. जब हाईकोर्ट का जजमेंट आया तो साफ हो गया कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा हो रहा है. लेकिन उससे भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण ये है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए अब वो न्यायपालिका का भी दुरुपयोग कर रहे हैं ये स्थिति किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं हो सकती.

आपके इशारे पर केजरीवाल-हेमंत सोरेन को जेल में डाला गया?

बेहतर होगा कि ये लोग संविधान पढ़ लें, देश के कानून पढ़ लें, मुझे किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है.

आप पर पर्सनल अटैक खूब हो रहे हैं?

जहां तक मोदी का सवाल है, मैं तो पिछले 24 साल से गालियां खा-खा कर गाली प्रूफ बन गया हूं. मौत का सौदागर और गंदी नाली का कीड़ा किसने कहा था? संसद में हमारे एक साथी ने हिसाब लगाया था, 101 गालियां गिनाई थीं. तो चाहे चुनाव हो या न हो, ये लोग (विपक्ष) मानते हैं कि गालियां देने का हक उनका ही है. और वे इतने हताश-निराश हो चुके हैं कि गालियां देना अपशब्द बोलना उनका स्वभाव बन गया है

कश्मीर में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग पर आपकी क्या राय है?

मैं चाहूंगा कि कश्मीर की जो स्थिति बदली है, उसके संदर्भ में मैं सबसे पहले देश के न्यायतंत्र को प्रार्थना करना चाहता हूं. सरकार के काम करने की रणनीति

होती है. उसके लिए कभी मुझे इंटरनेट बंद करना पड़ा, कोई कोर्ट चला गया और कोर्ट में वे मुद्दा बन गया. भले मैंने कुछ समय के लिए इंटरनेट बंद किया था लेकिन आज वहां के बच्चे बहुत गर्व के साथ कहते हैं कि 5 साल से इंटरनेट बंद नहीं हुआ है. 5 साल से हमें सब सुविधाएं मिल रही हैं. कुछ दिन तकलीफ हुई लेकिन अच्छे काम के लिए हुई थी. जो ऐसे ग़्रद्र हैं, जिन्होंने अदालतों के भरोसे लड़ाई शुरू की है, उनसे देश को बचाना बहुत जरूरी है. वहां का सामान्य मानवी जब मतदान करता है तो वह भारत के संविधान को गले लगाता है.

आर्टिकल 370 को हटाने का यह नतीजा है?

आर्टिकल 370 सिर्फ 4-5 परिवारों का एजेंडा था. ये न तो कश्मीर के लोगों का एजेंडा था और न ही देश के लोगों का एजेंडा था. अपने फायदे के लिए उन्होंने 370 की दीवार बनाई थी. कहते थे कि 370 हटाओगे तो आग लग जाएगी 370 हटेगी तो कश्मीर चला जाएगा. आज ये सच हो गया है कि 370 हटने के बाद और एकता का एहसास हो रहा है. कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना बढ़ रही है और इसलिए इसका सीधा परिणाम चुनाव, पर्यटन में भी दिख रहा है

ओडिशा के विधानसभा चुनाव को किस तरह से देखते हैं?

25 साल से ओडिशा में प्रगति नहीं हो रही है. सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि कुछ ऐसे लोगों की टोली है, जिसने पूरे ओडिशा की व्यवस्था पर कब्जा कर लिया है. ओडिशा अगर उन बंधनों से बाहर आएगा तो ओडिशा खिलेगा. ओडिशा के पास इतने प्राकृतिक संसाधन हैं, इतने समृद्ध राज्य में गरीब लोगों को देखकर दुख होता है. ओडिशा भारत के समृद्ध राज्यों में से एक है. बहुत अधिक प्राकृतिक संपदा है और ओडिशा भी भारत के गरीब लोगों के राज्यों में से एक है, इसलिए ओडिशा के लोगों को उनका अधिकार मिलना चाहिए इसके लिए सरकार जिम्मेदार है ओडिशा का भाग बदलने वाला है ओडिशा की वर्तमान सरकार की एक्सपायरी डेट 4 जून है.

माँ क्या होती है?

इस चित्र से मानव को शिक्षा लेनी चाहिए. इस तपती धूप गर्मी से बचाने के लिए अपने बच्चे की कैसे रक्षा करती है ऊँटनी. स्वयं तप रही है, खड़ी है इस कड़कड़ाती तपती धूप में और अपनी छाँव में अपने बच्चे को बैठाया है ताकी धूप - गर्मी नही लगे मानव हो या जानवर माँ, माँ होती है माँ के लिए उसका बच्चा सबसे प्यारा होता है कुछ मुट्ठी भर लोग दूषित सोच - मानसिकता के होते है जो अपने माता पिता को भूल जाते है बड़ी लज्जाजनक व दुःख की बात है, उनको माता- पिता का महत्व ही पता नहीं होता है. मातृऋण तो हम चुका भी नहीं सकते हैं अपनी चमड़ी के जूते बनाकर माँ को पहना दे तो भी माँ का ऋण हम नहीं उतार सकते है. वो माँ होती है. मनुष्य को भगवान ने बुद्धिमान बनाया है फिर भी भटक जाता है बड़ी हया व दुःख की बात है. कुछ लोग माता पिता का अपमान करते हैं, अनादर करते हैं. वो मानव नहीं हो सकते. वे मानवता पर कलंक है. इस जानवर से शिक्षा लेना चाहिए कि माँ क्या होती है? और यह हमें बता रही हैं, प्रेरणा दे रही है. एक जानवर होकर माँ क्या होती है?

गर्भावस्था में कमर दर्द

अमरावती-गर्भावस्था में कमर का दर्द होना एक आम समस्या है। लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाओ में कमर दर्द की शिकायतें होती हैं।

कारण गर्भवती महिलाओं में हार्मोन्स के परिवर्तन के कारण तंतू नर्म होकर खिंचने लगते हैं। गर्भ में बढ़ते भ्रूण के कारण कुल्हे की अस्थियों का फैलाव होने लगता है। (बढते वजन से शरीर का गुरुत्व केंद्र का स्थानांतरण मध्य से अग्र भाग की ओर होता है।) शारीरीक वजन बढ़ने पीठ की मासपेशियों को अधिक श्रम करना पड़ता है तथा गर्भावस्था से शरीर की कैल्शियम, प्रोटीन्स की मात्रा की मांस पेशियों की मात्रा मांग बढ जाती है। जो कि अन्न आहार से पूरी नहीं हो रही होती।

क्या कई ऐसी स्थिती में उचित भरपूर मात्रा में प्रोटीन्स, पोषक द्रव्य तथा कॅल्शियम का सेवन करना चाहिए।

उठने-बैठने की सावधानी बरतें.

कम ऊंची एडीवाले चप्पल जूते पहनें, कमर को सहारा देकर बैठे। पैरों के भार बैठकर और कम को सीधा रखते हुए जमीन से वस्तु उठाए। भारी वजन न उठाएं। विशेषज्ञ के निरीक्षण में कमर की मांसपेशियों को मजबूत करने हेतु व्यायाम करें।गर्भावस्था यह एक सामान्य शारीरिक स्थिति है, यह कोई बीमारी नहीं किंतु बदलती जीवन शैली, भागदौड़ शरीर में होनेवले बदलाव और आनेवाली जिम्मेदारी को नजर में रखते हुए एक सुदृढ शरीर और मन को बनाके रखने हेतु आराम जरुर करें दिन में 2 घंटे तथा रात में 8 घंटे की विश्रांती जरुर लेना चाहिए.

येवती में गीता भागवत अमृतमय कथा सप्ताह

लप्पीभैया जाजोदिया की संकल्पपूर्ति का एक अध्याय

अमरावती-समाजसेवी लप्पीभैया जाजोदिया ने युवा पीढ़ी को अध्यात्मिक मार्गदर्शन व संस्कार संवर्धन की दृष्टि से संपूर्ण महाराष्ट्र 108 भागवत कथा करने का संकल्प लिया है. उसी श्रृंखला में सोलापुर जिले के मोहोड तहसील के येवती स्थित हनुमान मंदिर में हाल ही में गीता भागवत अमृतमय कथा सप्ताह हुआ.

भागवत कथा प्रवक्ता मधुपतिदास ने अपनी अमृतवाणी से भक्तों को कथासार वर्णन किया. श्रीश्री राधा पंढरीनाथ मंदिर इस्कॉन पंढरपुर, अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भवनामृत संघ (इस्कॉन), राधा मधुसुदन सनातन संस्कृति के सहयोग से भागवत पूर्णाहुति पश्चात लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया गया. भागवत कथा सप्ताह को सफल बनाने के लिए पितांबर खुर्द भारत सितोळे, श्रीकांत बुधवंतकर, विश्वंभर पाटिल, रमेश माने, जयवंत चव्हाण, रामदास पाटिल, नारायण पाटिल, तुकाराम पाटिल, ताई जयश्री पाटिल, मिराबाई कलप्पा पाटिल, एकनाथ चव्हाण, रामदास जयस्वाल, हनुमान थेरप्पा पाटिल व ग्रामवासियों का योगदान रहा.

विशेष प्रतियोगिता व पुरस्कार

गीता भागवत अमृतमय कथा सप्ताह दौरान विविध प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओ को पुरस्कार प्रदान किया गया. हनुमान चालिसा, भजन व भावगीत स्पर्धा, रंगोली व नृत्य स्पर्धा, अध्यात्मिक वेशभूषा व ड्राईंग स्पर्धा ली गयी. मानवी जीवन से संबंधित प्रतियोगिता का आयोजन रहा. पितांबर महाराज खुर्द, सुर्यकांत बुधवंतराव व लप्पीभैया जाजोदिया के विशेष सहयोग से यह आयोजन सफल रहा. भैया के मुताबिक शहर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए उसे लौटाने का थोड़ा-बहुत प्रयास करते हैं. उनके कार्यालय में किसी मंत्री या सांसद की तरह ही भीड़ उनकी लोकप्रियता तथा सभी की मदद करने वाली दरियादिली की परिचायक है. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है.

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान
मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

महिलाओं को नमन और सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान

नारी तू ही नारायणी

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

श्यामवर्णीय रामलला की झांकी को प्रथम परस्कार

अमरावती- अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ द्वारा भगवान श्री परशुरामजी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकाली गई भव्य शोभायात्रा को कामयाब बनाने, झांकियों तथा अन्य कार्यक्रमों में सहयोग करने वाले मान्यवरों का रविवार को सत्कार किया गया. रंगारी गल्ली स्थित दधिची भवन में हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित थे.

पुरस्कार वितरण तथा सत्कार समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप मे अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ के विदर्भ अध्यक्ष रमेश उर्फ पप्पू छांगाणी, दीपक मानका, अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ युवा जिलाध्यक्ष विक्की उर्फ विजय शर्मा, रमेश दुबे,नितेश शर्मा तथा पुरुषोत्तम शर्मा उपस्थित थे.शोभायात्रा में साकार झांकियों में निकिता शुक्ला (सेवक) के अयोध्या विराजित श्यामवर्णीय रामलला की झांकी को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया. कालीमाता की वेशभूषा सादर करने वाली रुद्राणी अजय तिवारी को द्वितीय के साथ अन्य सभी झाँकियों को प्रोत्साहन पर पुरस्कार दिया गया.इसमें कृष्णा संतोष शुक्ला-स्वामी विवेकानंद, शीतल नीरज सेवक-कालीमाता, यशिका नीरज सेवक-लोकमान्य टिलक, अमितेश अनिकेत मिश्रा - वीर सावरकर, प्रणव मोहन मिश्रा-भगत सिंघ, अस्मिता अनिकेत मिश्रा-राणी दुर्गावती, अध्ययन प्रदीप मिश्रा-कान्हाजी, रुद्र गोपाल त्रिपाठी-मिल्ट्री अधिकारी (विक्रम बत्रा) एवं श्री श्याम लखदातार परिवार, अमरावती द्वारा साकार श्री खाटू श्यामजी की झांकी का समावेश था. शोभायात्रा मार्ग में भाविकों को जल एवं शीतल पेय प्रदान करने के लिये अभिलाष मिश्रा, रश्मी नवांदर, शिवशक्ति आईस्क्रीम, दिलीप पोपट, हनुमानप्रसाद मानका, परशुराम अन्नदान समिति, पुष्करणा फाऊंडेशन इन सभी को भी स्मृतीचिन्ह देकर सम्मानित किया गया.इसी के साथ शोभायात्रा के आयोजन पूर्व तथा आयोजन पश्चात शोभायात्रा के प्रचार प्रसार हेतु अमरावती शहर के पत्रकार बंधुओ द्वारा सहकार्य प्राप्त हुआ. इसके लिए चंद्रप्रकाश दुबे, अरूण तिवारी,हरीश उधवानी को स्मृतिचिन्ह देकर सत्कार किया गया.

संचालन डॉ. शशांक दुबे ने किया. विक्की शर्मा ने सभी का आभार माना. उसी के साथ ब्रह्मण जोड़ो अभियान भी जल्द से जल्द सभी समाज बंधुओं के सहयोग से शुरू करने की जानकारी दी.समारोह मे राजेश चौबे, कुणाल शर्मा, पंडित लखन पंचारिया, अजय तिवारी, उमेश सेवक, सुशील जोशी, लालचंद मिश्रा, लक्ष्मीकांत मिश्रा, राजेश तिवारी, अक्षय याग्निक, अमित मेहता, विजय जोशी, सुरज मिश्रा, श्याम छेदीलाल शर्मा, सौ. सरला चौबे, सौ. ममता सेवक, सौ. शीतल सेवक, चित्रा तिवारी, मनीषा मिश्रा, अर्चना तिवारी, ट्विंकल मेहता, सोनाली याग्निक, शोभा मिश्रा, बबीता शर्मा, निशा मिश्रा, किंजल तिवारी उपस्थित थे.

गुरूवार 23-30 मई 2024

मेष
यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ
शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.

मिथुन
अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क
आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ
आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

मनस्वी राठी दसवीं कक्षा में मेरिट रही,चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना चाहती है

रोज 6 घंटे पढ़ाई करती थी

अमरावती- शहर के प्रसिध्द चार्टर्ड एकाउंटेंट एवम योग प्रशिक्षक पूनम राठी की सुपुत्रि मनस्वी राठी ने 96% से अधिक अंक प्राप्त कर कक्षा ?? वीं राज्य बोर्ड की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है. मनस्वी ने अपने पिता ही तरह चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने की इच्छा जताई।

उन्होंने बातचीत में बताया कि हंसते खेलते बगैर कोई प्रेशर लिए अध्ययन किया. शायद इसी से शानदार सफलता मिली है. अपनी सफलता का श्रेय दादा-दादी, नाना- नानी बड़े पापा एवम बड़े ममी तथा माता पिता के साथ ही शिखर के संचालक एवं फ्रांसिस पटेल सर, असोले मैडम और होलीक्रॉस स्कूल की अध्यापिकाओं को देती है। पढाई के साथ खाना बनाना, कला और हस्तकला में भी मनस्वी को रूचि हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

शोभानगर स्थित दुर्गा मंदिर सामाजिक सेवा का केन्द्र बना

4 साल से है जारी,सैकड़ों लेते हैं लाभ,महिलाएं ही करती हैं सभी व्यवस्था

अमरावती-शहर के शोभानगर स्थित दुर्गा मंदिर, शिवशंकर मंदिर धर्म के साथ ही सामाजिक सेवा का केन्द्र बन गया है. मंदिर में हर दिन भजन-पूजन, अभिषेक का कार्यक्रम चलता है लेकिन मानवता की सेवा को बढ़ाने वाले महाप्रसाद का कार्यक्रम यहां शनिवार को चार साल से चल रहा है. शनिवार 18 मई को आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम का भारी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. मंदिर की संचालिका रोशनी दुबे के साथ ही मंदिर की सेविकाओं के रूप में विभिन्न महिलाओं द्वारा ही कार्य किया जा रहा है. शनिवार को सम्पन्न महाप्रसाद कार्यक्रम का सैकड़ों जरूरतमंदों ने लाभ लिया.

हर शनिवार को यहां पर आयोजित होने वाले महाप्रसाद कार्यक्रम का गरीब,जरूरतमंदों द्वारा लाभ लिया जाता है. यह सिलसिला विगत 4 साल से चल रहा है. कोरोना महामारी के दौरान कामकाज ठप होने से हजारों लोगों पर भूखे रहने की नौबत आयी थी, इसके बाद से ही रोशनी दुबे तथा मंदिर से जुड़े हजारों भक्तों ने इस महाप्रसाद कार्यक्रम का शुभारंभ करने का फैसला किया. इसके बाद लोगों का सहयोग मिला और इसका विस्तार बढ़ता गया. कार्यक्रम की सफलतार्थ रोशनी दुबे, सरला चौकसे, रेखा अंभोरे, कल्पना ठाकरे, कमला ठाकरे, सिंधु पोकले, प्रियंका दुबे, सुनीता दुबे, कांता वालसे, छबू सावरकर, शोभा ठाकुर का सहयोग रहता है.

मंदिर में रोज सैकड़ों भाविक मां दुर्गा तथा भोलेनाथ का दर्शन करते हैं. क्षेत्र में जागृत मंदिर के रूप में यह सुख्यात है. यहां पर संस्कार शिविरों के माध्यम से बच्चों को जहां सिखाया जाता है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं को मार्गदर्शन करने का काम भी रोशनी दुबे द्वारा किया जाता है. महाप्रसाद कार्यक्रम में लोगों का भी सहयोग मिलने की जानकारी देते हुए दर्शन तथा महाप्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

दसवीं के घोषित नतीजे पार्थ खराबे, कनिष्का की सफलता

अमरावती- दसवीं के घोषित नतीजे में भास्कर खराबे के सुपुत्र पार्थ खराबे ने 93 परसेंट से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार सफलता प्राप्त की.मध्य आर्थिक स्थिति वाले पार्थ की इस सफलता की सर्वत्र सराहना की जा रही है.बचपन से ही मेहनती पार्थ खराब स्पोर्ट्समैन के रूप में भी दौड़ स्पर्धा में अभी तक के कई पुरस्कार प्राप्त कर चुका है. उसकी इस शानदार सफलता पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन.

इसी तरह कनिष्का नितिन धोटे ने भी दसवीं की परीक्षा में 92 अंक हासिल कर अपने विद्यालय तथा माता-पिता का नाम रोशन किया है.शतरंज की राज्य स्तर की खिलाड़ी कनिष्का नितिन धोटे ने इसके पहले कई पुरस्कार खेल के क्षेत्र में प्राप्त किए हैं.बेटी की शानदार कामयाबी पर माता-पिता गर्व से नहीं समा रहे हैं. इस शानदार सफलता पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन.

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251